

DESCENDING TRIANGLE

Descending Triangle

1. डिसेंडिंग ट्रैंगल बुलिश भी हो सकता

है और बेयरिश भी इस आर्टिकल में

हम बेयरिश डिसेंडिंग ट्रैंगल के बारे में

जानेंगे ये पैटर्न एक ट्रैंड कॉन्टिन्युअशन

पैटर्न होता है !

Descending Triangle

1. डिसेंडिंग ट्रैंगल बुलिश भी हो सकता

है और बेयरिश भी इस आर्टिकल में

हम बेयरिश डिसेंडिंग ट्रैंगल के बारे में

जानेंगे ये पैटर्न एक ट्रैंड कॉन्टिन्युअशन

पैटर्न होता है !

2. डाउन ट्रेंड के दरम्यान कुछ प्रॉफिट

बुकिंग की वजह से मार्किट थोड़ा ऊपर

आता हैं फिर सेलर उसे निचे लेके जाते हैं

ऐसा 2-3 बार होने के बाद चार्ट पर कुछ

स्विंग पॉइंट्स का जोड़ने के बाद ये पैटर्न

बनता है !

**3. ये पैटर्न दो ट्रेंड लाइन से बनता है अपर
ट्रेंड लाइन स्विंग हाई को जोड़ती है और
लोअर ट्रेंड लाइन स्विंग लो को जोड़ती है
इस पैटर्न में लोअर ट्रेंड लाइन हॉरिजान्टल
होती है !**

4. इस पैटर्न का ब्रेकआउट ट्रेंड की दिशा में होने की सम्भावना ज्यादा होती है इसलिए इसे ट्रेंड कॉन्टीअशन पैटर्न कहा जाता है इस पैटर्न के दौरान वॉल्यूम काफी कम हो जाते हैं और जब ब्रेकआउट हो जाता है तो वॉल्यूम काफी मात्रा में बढ़ जाते हैं

Real Example



इस पैटर्न को कैसे ट्रेड करें?

1. डिसेंडिंग ट्रैंगल पैटर्न हमेशा ब्रेकआउट पर

ट्रेड किया जाता है अगर कोई रेड कैंडल लोअर
हॉरिजॉन्टल ट्रेंड लाइन को ब्रेक करके बाहर
निकल जाए तो उस रेड कैंडल के लो के निचे
सेल एंट्री ली जा सकती है !

**2. एंट्री लेने का दूसरा तरीका ये भी है कि
ब्रेकआउट के बाद पुल बैक या रिट्रेसमेंट का
इंतजार करें मतलब ब्रेकआउट के बाद अगर
कोई ग्रीन कैंडल ब्रेकआउट लेवल टेस्ट करने
आती है तो उस ग्रीन कैंडल के लिए के निचे भी
सेल एंट्री ली जा सकती है!**

**3. जो कैंडल लोअर ट्रेंड लाइन को ब्रेक
कर रही है उस कैंडल के वॉल्यूम काफी
ज्यादा होने चाहिए जो नए सेलस की
एंट्री को दर्शाता है!**

**4. अगर कोई ग्रीन कैंडल ब्रेकआउट लेवल
के ऊपर क्लोज होती है तो उस कैंडल के
हाई के ऊपर स्टापलांस रख सकते हैं
डिसेंडिंग ट्रैंगल की पिछली दो लाइन के
बिच में जितना अंतर होता है उतना टारगेट
इस पेटर्न में मिल जाता है**

5. इंटार्वेट्रिक्स 5 - 15 मिनट्स
के साथ ट्रेड करें!

ये पॉइंट्स हमेशा याद रखें!

**1. डिसेंडिंग ट्रैंगल पैटर्न एक ट्रैंड
कॉन्टीअशन पैटर्न है।**

2. ये पैटर्न अप्पर और लोअर ट्रेंड
लाइन से मिलकर बनता है जिसमें
लोअर ट्रेंड लाइन हाँरिजांस्टल होती
है !

3. अगर कोई रेड कैंडल लोअर ट्रैड

लाइन को निचे की तरफ ब्रेक करती है

उस कैंडल के निचे सेल एंट्री लगा

सकते हैं !

4. ब्रेकआउट कैंडल के वॉल्यूम पिछले कैंडल के वॉल्यूम से ज्यादा होने चाहिए !

**5. आप पुल बैक कैंडल के निचे भी
सेल एंट्री ले सकते हैं!**

**6. अगर कोई ग्रीन कैंडल ब्रेकआउट
लेवल के ऊपर क्लोज होती है तो उस
ग्रीन कैंडल के ऊपर स्टापलांस रखना
चाहिए !**

7. ट्रैंगल के पिछले लाइन के बिच में

जितना अंतर होता है उतना टारगेट

रखना चाहिए !

8. इंटार्वैट्रेक्स 5 - 15 मिनट

**टाइम फ्रेम के साथ ट्रैड कर
सकते हैं !**

**THANK
YOU!**